Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to increase the production of active pharmaceuticals ingredients in the country

श्री विवेक नारायण शेजवलकर (ग्वालियर) : माननीय सभापति महोदय, प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में भारत सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है । विशेषज्ञों की मानें तो आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार के पास दवा कारोबार सबसे बेहतर विकल्प है । हालांकि, पिछले कुछ सालों में भारत वैश्विक स्तर पर फार्मास्युटिकल क्षेत्र में दवाइयों के उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है । साथ ही, भारत इस क्षेत्र में एक बड़ा निर्यातक भी बन गया है । परंतु अभी भी भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनियों की दवाइयों के उत्पादन में आवश्यक रसायनों और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रिडिएंट्स (एपीआई) के लिए चीन पर निर्भरता चिंता का विषय है । एपीआई किसी भी औषधि के प्रमुख घटक होते हैं । एपीआई की आपूर्ति के स्रोतों का विकेंद्रीकरण करने से भविष्य में विषम परिस्थितियों में भी एपीआई की निर्बाद आपूर्ति को सुनिश्चित किया जा सकेगा । एपीआई के उत्पादन के लिए स्थानीय क्षमता के विकास से दवाइयों की लागत में कमी आएगी और भविष्य में इस क्षेत्र में व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाया जा सकेगा । दवा उत्पादन से जुड़े उद्योगों को प्रोत्साहन देने पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए ।

भारत सरकार एपीआई के संदर्भ में आत्मनिर्भर बनने एवं देश में एपीआई उत्पादन बढ़ाने हेतु क्या कदम उठा रही है?